इंडोनेशिया सरकार ने भारत से मूंगफली के आयात पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया

इंडोनेशिया की क्वारिन्टाइन अथॉरिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत से भेजी जा रही मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई गई है

- भारत से इंडोनेशिया को हर साल करीब 2.25 लाख टन मूंगफली जाती है, जिसका बड़ा हिस्सा राजस्थान, खासकर बीकानेर जिले से निर्यात होता है
- वर्तमान में बीकानेर की प्रमुख अनाज मंडियों में मूंगफली 4500 से 6500 प्रति क्विंटल तक बिक रही है
- इंडोनेशिया की इस रोक के बाद व्यापारियों को डर है कि निर्यात ठप पड़ने से भाव में 10-15 प्रतिशत गिरावट आ सकती है

बीकानेर, (निसं)। मूंगफली की राजधानी कहे जाने वाले बीकानेर के किसानों और व्यापारियों को बड़ा झटका लगा है। इंडोनेशिया सरकार ने भारत से मूंगफली के आयात पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश 27 अगस्त 2025 को जारी किया गया था और 3 सितंबर से प्रभावी हो गया। अब इस फैसले का सीधा असर बीकानेर की मूंगफली मंडियों पर दिखना शुरू हो गया है, जहां मूंगफली की आवक तो हो रही है, लेकिन भावों में गिरावट का डर मंडराने लगा है।

इंडोनेशिया की क्वारिन्टाइन अथॉरिटी (आईक्यूए) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत से भेजी जा रही मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई गई। इसी के चलते इंडोनेशिया ने मूंगफली के आयात पर अस्थाई रोक लगाते हुए कहा है कि आगामी शिपमेंट्स की दोबारा जांच और सैंपलिंग की जाएगी। भारत से इंडोनेशिया को हर साल करीब 2.25 लाख टन मूंगफली जाती है, जिसका बड़ा हिस्सा राजस्थान, खासकर बीकानेर जिले से निर्यात होता है। यह वही मूंगफली है जो अपने मीठे स्वाद और बड़े दाने के लिए विदेशी बाजारों में लोकप्रिय है। बीकानेर में इस वर्ष 2.90 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बुआई की गई है।

कृषि विभाग के मुताबिक, 8.70 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। वर्तमान में बीकानेर की प्रमुख अनाज मंडियों में मूंगफली 4500 से 6500 प्रति क्विंटल तक बिक रही है, लेकिन इंडोनेशिया की इस रोक के बाद व्यापारियों को डर है कि निर्यात ठप पड़ने से भाव में 10-15 प्रतिशत गिरावट आ सकती है। अगर आने वाले महीनों में भारत ने भंडारण और क्वालिटी जांच प्रणाली को सख्त नहीं किया, तो आने वाले सीजन में वियतनाम और चीन जैसे बाजार भी दूरी बना सकते हैं। सरकार और निर्यात एजेंसियों को चाहिए कि वे किसानों को एफ्लाटॉक्सिन नियंत्रण की तकनीक सिखाएं, जैसे खेतों में जलभराव से बचाव, कटाई के तुरंत बाद सुखाई और वैज्ञानिक गोदामों में भंडारण। एफ्लाटॉक्सिन एक विषैला यौगिक है जो मूंगफली में नमी और गलत भंडारण के कारण बनता है। यह फफूंद से उत्पन्न होता है। यह लीवर कैंसर, पाचन विकार और इम्यून सिस्टम कमजोर करने के लिए जिम्मेदार माना जाता है। बीकानेर की मंडियों में इन दिनों मूंगफली की आवक जोर पर है, लेकिन इंडोनेशिया के फैसले के बाद खरीदारों की सक्रियता घट गई है।

व्यापारी बताते हैं कि पिछले साल जहां मूंगफली का एक बड़ा हिस्सा सीधे निर्यात के लिए खरीदा जाता था, इस बार वह स्टॉक स्थानीय मिलों तक सीमित रह गया है। निर्यात ठप होने से मूंगफली तेल उद्योग और कृषि बाजार दोनों पर असर पड़ने की आशंका है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के मूंगफली निर्यात का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इंडोनेशिया को जाता है। अब उसके हटने से न केवल कीमतें गिरेंगी, बल्कि किसानों की भुगतान अवधि भी लंबी हो जाएगी, क्योंकि स्टॉक लंबे समय तक मंडियों में फंसा रह सकता है।

नोखा में एटीएम तोड़कर कैश बॉक्स ले गए बदमाश

देर रात कार में आए थे बदमाश, एटीएम में लाखों की नगदी की आशंका जताई

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा कस्बे के पीपली चौक के पास स्थित एक एटीएम को शातिर बदमाशों ने निशाना बनाया। बदमाशों ने एटीएम तोड़कर कैश बॉक्स उड़ा लिया और मौके से फरार हो गए। अभी ये मालूम नहीं हो पाया है कि एटीएम में कितने रुपए थे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। कई जगह नाकाबंदी की जा रही है।

घटना देर रात भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने एटीएम के कैमरों पर स्प्रे कर दिया ताकि उनकी पहचान न हो सके। इसके बावजूद एक बदमाश कैमरे में कैद हो गया।

सूचना मिलते ही नोखा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। चोरी हुई रकम का आंकलन किया जा रहा है। बैंक के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लुटेरे एक कार में सवार होकर आए थे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। कार में तीन बदमाश थे, जो एटीएम में घुसे, तोड़फोड़ की और कैश बॉक्स निकालकर ले गए। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और बदमाशों की तलाश में टीमें गठित की जा रही हैं। घटना के बाद से अब तक कुछ भी सुराग नहीं मिला है। नोखा शहर में चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है। हाल ही में शहर के दो मंदिरों में भी चोरी की वारदातें हुई थीं, जिसके बाद अब एटीएम में सेंधमारी से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

जहर खाने से एक व्यक्ति की मौत

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में रविवार को एक व्यक्ति की जहर का सेवन करने से मौत हो गई। अलसीसर इलाके के बास हरिपुरा निवासी 45 वर्षीय राकेश कुमार अपने परिवार के साथ कुछ सालों से चिड़ावा कस्बे की मंड्रेला रोड पर कुम्हारों के मोहल्ले में मकान बनाकर रहता था।

शनिवार को ही देर शाम को वह दिल्ली से वापिस अपने घर लौटा था।

- शनिवार देर शाम को युवक दिल्ली से अपने घर लौटा था

रविवार को सुबह उसकी पत्नी सुनिता ने एंबुलेंस को फोन किया और उप जिला अस्पताल में अपनी पति को लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने जांच के बाद राकेश को मृत घोषित कर दिया। जहर खाने के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। इस मामले में मृतक राकेश के पिता दयाचंद ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। एएसआई कैलाशचंद ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। मृतक कुछ दिनों से ही दिल्ली में काम करने लगा था, जो कल शाम को लौटा था और आज सुबह उसने जहर खाया है। मृतक के एक बेटी और बेटा है।

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करने की मांग

पाटन थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े ओवरलोड वाहन गुजरते हैं।

- ग्रामीणों ने परिवहन आयुक्त को ज्ञापन भेज कार्रवाई करने की मांग की

पाटन, (निसं)। क्षेत्र में अवैध व ओवरलोड वाहनों के धड़ल्ले से संचालन पर परिवहन विभाग की निष्क्रियता को लेकर आमजन में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने विभागीय लापरवाही के खिलाफ परिवहन आयुक्त को ज्ञापन भेज कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि पाटन थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े ओवरलोड वाहन बेखौफ होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों ने बताया अधिकांश वाहन चालकों द्वारा नंबर प्लेट पर ग्रीस लगा दी जाती है, ताकि वाहन की पहचान न हो सके। इस कारण किसी घटना या दुर्घटना की स्थिति में ऐसे वाहन आसानी से पुलिस कार्रवाई से बच निकलते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग का निरीक्षक वाहन मालिकों से 'सेटिंग' कर मंथली वसूली करता है, जिसके चलते ओवरलोड वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। विभाग की इस उदासीनता के कारण क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नीमकाथाना क्षेत्र में रॉयल्टी का टेंडर नहीं होने से बिना टीपी और रवन्ना के सैकड़ों वाहन प्रतिदिन परिवहन कर रहे हैं, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। मामले पर नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी ने कहा कि, अब इस प्रकरण को मैं स्वयं देखूंगा। विधानसभा में इसकी आवाज उठाकर भ्रष्ट अधिकारियों की जांच करवाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्राइवेट बसों में मनमाने संशोधन पर उपमुख्यमंत्री बैरवा सख्त

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अजमेर में विवाह समारोह में शामिल पहुंचे।

- 'लोगों की जान की परवाह हमें है, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा'
- बस मालिकों को सुरक्षा मानकों के अनुसार बसों को दुरुस्त कर लेना चाहिए : बैरवा

अजमेर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि सरकार यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। प्राइवेट बसों में मनमाने संशोधन पर उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि लोगों की जान की परवाह हमें है, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। अजमेर के एक होटल में विवाह समारोह में शामिल होने आए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने मीडिया से कहा कि परिवहन विभाग बसों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। बस मालिकों को सुरक्षा मानकों के अनुसार बसों को दुरुस्त कर लेना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय रोडवेज की केवल 600 बसें थीं, जबकि वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 3200 हो गई है। रोजाना 400 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए ये बसें ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ रही हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चुनावी तैयारियों पर बोलते हुए बैरवा ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम से सही मतदाता का नाम सूची में बना रहेगा और फर्जी वोटिंग पर रोक लगेगी। अंता विधानसभा उपचुनाव पर उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी की जीत निश्चित है।

भांजी का भात भरने आए मामा का सिर फोड़ा

झुंझुनूं, (निसं)। अपनी भांजी की शादी में भात भरने आए मामा का भांजी के ही चचेरे भाइयों ने सिर फोड़ दिया। शादी का कार्यक्रम देखते ही देखते मारपीट के अखाड़े में बदल गया। जानकारी के अनुसार झुंझुनूं के जीनगर गेस्ट हाउस में छोटी सी बात पर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। गेस्ट हाउस में गफ्फार अपनी बहन रहीसा बानो की बेटी की शादी में अपने दामाद मुबारिक व अन्य परिजनों के साथ भात भरने के लिए पहुंचा था। इस दौरान गफ्फार की बहन रहीसा बानो के देवर मुस्तगिन, मुस्तगिन के बेटे शाहिद, मोहसीन, अकील, ननद के बेटे फिरोज और बाबू आदि नकली नोट उछाल रहे थे। गफ्फार ने नकली नोट उछालने के लिए टोक दिया, जिससे तैश में आए इन युवकों ने पहले तो दुल्हन के मामा को ही धक्का मारकर स्टेज के नीचे उतार दिया और बाद में एक साथ सरियों और नुकीले पंच से हमला कर दिया। देखते ही देखते शादी का कार्यक्रम मारपीट के अखाड़े में बदल गया। घायल गफ्फार और उनके दामाद मुबारिक को साथ वाले लोगों ने छुड़वाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर गफ्फार के सिर पर सात टांके आए हैं। दोनों पक्ष पीपली चौक और इसके साथ लगते इलाके के रहने वाले हैं। इस मामले में कोतवाली में लिखित रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच कर रहे हैड कांस्टेबल शब्बीर ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पांच जनों के नामजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पैंथर का शव मिला

मसूदा, (निसं)। थाना क्षेत्र के किराप गांव स्थित माना की घाटी में लगभग दस वर्षीय नर पैंथर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर ब्यावर वन रेंज अधिकारी ओमप्रकाश मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और जांच की। प्रथमदृष्टया पैंथर की मौत बीमारी या उम्र के कारण होना माना गया है, क्योंकि शरीर पर किसी चोट के निशान नहीं मिले। शव का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सक डॉ. कुमार विश्वास की टीम ने किया। नायब तहसीलदार रौनक डांगरा, एएसआई इन्द्रसिंह, वन विभाग और चिकित्सकों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।

पांच लाख का मुआवजा स्वीकृत

भीलवाड़ा, (निसं)। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के नेतृत्व में दिनेश साहनी के द्वारा मनोमय टैक्स लिमिटेड जोजारो का खेरा गंगरार मिल में मौजूदा कर्मचारी रामनरेश प्रजापति मजदूर की मृत्यु के उपरांत मुआवजा के लिए रायशुमारी हुई। गौरतलब कि मनोमय टेक लिमिटेड गंगरार मिल में कार्यरत मजदूर अपनी ड्यूटी पर आते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हुआ और इलाज के उपरांत उसकी मौत हो गई। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के दिनेश साहनी परिवार को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मिल पहुंचे। मिल प्रबंधन पर दबाव बनाकर 500000 की राशि मृतक की पत्नी आरती प्रजापति को उपलब्ध कराई गई। वहीं तय हुआ कि मृतक के घर आने जाने तथा क्रिया क्रम में आने वाले खर्च को भी कंपनी वहन करेगी और पीएफ ईएसआई के अंतर्गत आने वाली अतिरिक्त राशि कुछ दिनों में उपलब्ध कराई जाएगी।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया।

नसीराबाद, (निसं)। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन और आईजी अजमेर रेंज राजेंद्र सिंह के आदेशानुसार चल रहे अवैध हथियारों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया।

शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि रामसर कस्बे में कैटल फार्म के पास एक युवक अवैध हथियार के साथ किसी वारदात की फिराक में है। इस पर थानाधिकारी अशोक बिशु के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अजय सैन उर्फ वासु निवासी साण्ड चौराहा, रामसर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस आरोपी से यह जानकारी जुटा रही है कि हथियार कहां से आया और इसका उपयोग किस वारदात में किया जाना था।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की चिता एक साथ जली

तेज रफ्तार थार कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी, हादसे में चार जनों की मौत हो गई थी

मृतकों के फाइल फोटो।

- दो साल के मासूम बच्चे के शव को नम आंखों से दफनाया

अलवर, (निसं)। अलवर में रविवार दोपहर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की चिताएं एक साथ जली, जबकि उनके दो साल के मासूम बच्चे को नम आंखों से दफनाया गया। भीषण सड़क हादसे ने इस परिवार को उजाड़ दिया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह जिला अस्पताल में मृतकों का पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसके बाद शवों को उनके गांव नांगल खेड़ा भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात एक तेज रफ्तार थार कार ने आगे चल रही बाइक को पीछे से टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ने बाइक को करीब 200 मीटर तक घसीटा। हादसे में नांगल खेड़ा निवासी महेंद्र (35), उनकी पत्नी गुड्डी (35), बेटा पूर्वांश (2) और भतीजी पायल (8) की मौत हो गई थी, जबकि उनकी भतीजी खुशबू (4) गंभीर रूप से घायल है और जिला अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। महेंद्र की अब 4 बेटियां बची है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

महेंद्र की बड़ी बेटी मोनिका ने बताया कि उनके मम्मी-पापा, भाई और बहनें शनिवार दोपहर 12 बजे के आसपास शादी में गए थे, जबकि वह अपनी दो बहनों के साथ स्कूल में पढ़ने गई थी। घर लौटने पर उन्हें अपने मम्मी-पापा नहीं मिले, लेकिन उन्हें पता था कि वे शादी में गए हैं, क्योंकि सुबह घर में इस बारे में बात हो रही थी। फिर शाम को अचानक घर वालों ने बताया कि पापा-मम्मी का एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें उनके छोटे भाई की भी मौत हो गई। अब वे बहनों के अलावा और कोई नहीं है। महेंद्र और गुड्डी के परिवार में अब चार बेटियां बची हैं। छोटी खुशी (11), रेनू (14) और 12वीं कक्षा की छात्रा मोनिका (16), हादसे में उनका एक बेटा भी चल बसा।

गुड्डी (मृतका) की बहन सुनीता ने कहा कि हम दोनों बहनों के पास नौ बच्चे थे। उनमें एक लड़का था, वो भी चला गया। अब हमारे पास कुछ नहीं बचा। हमें तो आसपास के लोगों को हादसे का वीडियो दिखाया तो घटना का पता चला। अब हमारा कोई सहारा नहीं रहा। अब किसके सहारा जिऐंगे। गुड्डी की तो अब घर सिर्फ 4 बेटियां ही बची है। ग्रामीणों ने मृतक की बड़ी बेटी को नौकरी दिए जाने की मांग उठाई है। परिवार के सदस्य करण सिंह ने बताया कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, लेकिन प्रशासन और सरकार की तरफ से अभी तक कोई आश्वासन नहीं मिला है। महेंद्र की चार बेटियां अनाथ हो गई हैं और अब उन्हें पालने वाला कोई नहीं है।

महेंद्र का छोटा भाई सुभे सिंह भी इस हादसे में मारा गया और दोनों भाइयों में केवल एक ही लड़का था। करण सिंह ने सरकार और प्रशासन से बच्चियों को सहयोग राशि देने और बड़ी बेटी मोनिका को सरकारी नौकरी देने की मांग की है, जिससे वह अपनी बहनों का भविष्य सुरक्षित कर सके। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस प्रशासन अंतिम संस्कार तक तो रुका, लेकिन किसी तरह के सहयोग का आश्वासन नहीं दिया। वहीं प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली ने रोड सेफ्टी पर सवाल उठाए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह भयानक हादसा है। एक ही परिवार के चार जनों की मौत हो गई। सरकार बार-बार कहती है कि हम ब्लैक प्वाइंट चिह्नित करते हैं, लेकिन वहां पर सफेद पट्टी तक नहीं है। कोई संकेतक नहीं है। आए दिन प्रदेश में बड़े हादसे होते हैं। केवल मीटिंग-मीटिंग खेलने से काम नहीं चलेगा। एक तरफ एक्सीडेंट जीरो करने की बात करते हैं, दूसरी तरफ बड़े-बड़े हादसे हो जाते हैं।

अवैध खनन और वृक्ष कटाई में लिप्त दस वाहन जब्त

- 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध खनन सामग्री के साथ पकड़ी गई

अलवर, (निसं)। राजगढ़ वन विभाग ने अवैध खनन और वृक्ष कटाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 वाहन जब्त किए हैं। इनमें 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध खनन सामग्री के साथ पकड़ी गई, जबकि दो वाहन हरे पेड़ों की कटाई और लकड़ी के परिवहन में शामिल थे।

क्षेत्रीय वन अधिकारी राहुल फौजदार ने बताया कि यह कार्रवाई राजगढ़ रेंज के नाका सदर और रैणी के डोरोली क्षेत्र में की गई। वन विभाग की टीम ने अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए सक्रियता दिखाते हुए मौके पर दह ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खनन सामग्री सहित पकड़ी। इससे पहले, पत्थरों का अवैध परिवहन करते हुए दो अन्य ट्रॉलियां भी जब्त की गई थी। इसके अतिरिक्त हरे पेड़ों की कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन में लिप्त दो अन्य वाहनों को भी पकड़ा गया। इस पूरी कार्रवाई में वन विभाग की टीम के सदस्य दिलीप सिंह, जसवंत सिंह, जगदीश प्रसाद और हरीश तिवाड़ी मौजूद रहे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और हरियाली को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उदयपुर में दूसरे दिन भी घर में घुसा लेपर्ड

बुजुर्ग ने लेपर्ड को कमरे में बंद किया, रेस्क्यू टीम ने चार घंटे बाद ट्रैंकुलाइज किया

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर के कुराबड इलाके में रविवार को लगातार दूसरे दिन भी लेपर्ड की दहशत रही। सुबह सुबह अचानक खेतों से होता हुआ बस्ती में आया लेपर्ड रिहायशी इलाके में एक घर में जा घुसा। इस दौरान कई लोग मौजूद थे। इसके बाद एक बुजुर्ग ने कमरे को बंद कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मामला कुराबड क्षेत्र के वसु पंचायत के रूणिचा गांव का है। टीम ने 4 घंटे बाद लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज किया गया। बेहोश लेपर्ड को पिंजरे में डालकर टीम उसे उदयपुर ले गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें लेपर्ड खेतों की ओर से रिहायशी इलाके में घूमता हुआ दिख रहा है।

ग्रामीण केसर सिंह ने बताया कि कल देर रात करीब दो बजे भी लेपर्ड बस्ती में बने बाड़े में आया था और पशुओं पर हमले की कोशिश की लेकिन लोगों के चिल्लाने पर भाग गया। आज सुबह करीब 6.30 बजे लेपर्ड फिर उसी बाड़े में शिकार के लिए आ रहा था। वह सीधी खेतों की तरफ से आया और बाड़े की तरफ लोगों की आवाज सुनकर कच्चे घर की ओर चला गया।

ग्रामीण केसर सिंह ने बताया कि यह कच्चा घर बुजुर्ग भंवरलाल मीणा का था। लेपर्ड कच्चे घर में घुसा और काफी देर तक खाट पर बैठा रहा। इस दौरान भंवरलाल मीणा बाहर ही था। उसने हिम्मत दिखाते हुए कच्चे कमरे के गेट को बंद कर दिया। भंवरलाल कच्चे मकान के पास में ही बने पक्के कमरे में रहता है। इस बस्ती में 24 मकान हैं जिनके घरों के पास में ही बाड़े बने हुए हैं।

इससे पहले शनिवार को भी इस क्षेत्र के बेमला में लेपर्ड एक घर में आ गया था और एक मां-बेटे पर हमला भी किया। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद उसे रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया था। जब महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो लेपर्ड वहां से एक कमरे में घुस गया। महिला ने बाहर से गेट बंद कर दिया था। करीब तीन घंटे बाद लेपर्ड गेट तोड़कर भाग गया। महिला का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और करीब 500 मीटर तक लेपर्ड का पीछा किया। इस पर लेपर्ड एक पोल्ट्री फार्म में घुस गया। करीब 3 घंटे की कडी मशक्कत के बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकाला।

सर्राफा व्यापारियों ने प्रदर्शन किया

पुलिस द्वारा सर्राफा दुकान मालिक को पकड़ ले जाने का मामला

- सर्राफा व्यापारियों ने प्रदर्शन कर पुलिस की कार्य प्रणाली पर नाराजगी जताई है

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर सर्राफा व्यापारियों ने सवाईमाधोपुर में पुलिस द्वारा सर्राफा की दुकान के मालिक बालकिशन सोनी को पकड़कर ले जाने के बाद पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। वहीं पुलिस ने आरोपी लगाया है कि बालकिशन ने चोरी का माल खरीदा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को मुख्यालय पर सर्राफा व्यापारी सड़क पर उतर गए तथा सर्राफा व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे, फिर घंटाघर पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए शहर के मुख्य मार्गों से होकर सवाईमाधापुर की सूरवाल पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डिपो क्षेत्र तक वाहन रैली निकाली। जिसके बाद व्यापारी सुभाष बाजार पहुंचे, जहां उन्हें सूचना मिली कि सूरवाल थाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी को छोड़ दिया। इस दौरान सर्राफा संघ से जुड़े व्यापारी एकजुट हो गए और दुकानें बंद करके मोटरसाईकिल से सुभाष बाजार से डीपो क्षेत्र तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाये। इस दौरान व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनीष बंसल, महामंत्री आनन्दवर्धन बम सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।